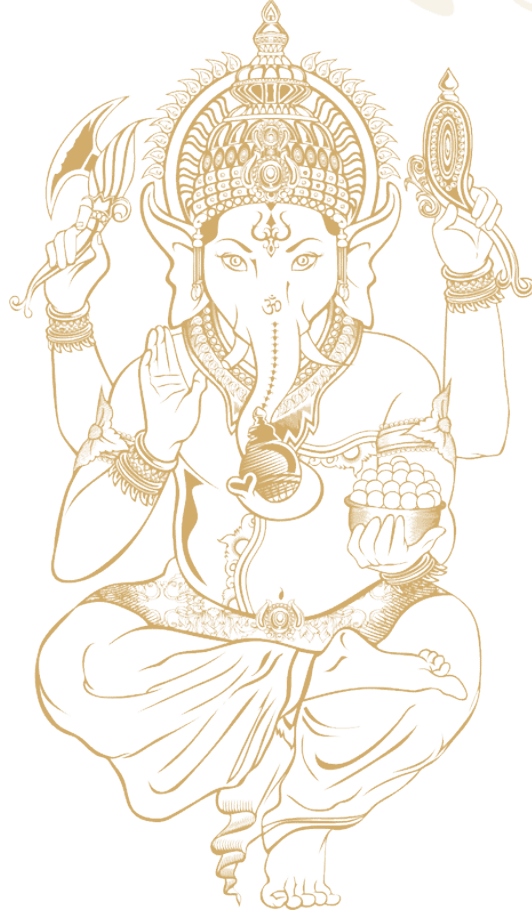




Mr.nilesh maharaj

25 Dec 1981

07:43 AM

Visavadar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119724703

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 25/12/1981 : _____ जन्म तिथि _____ : 25/12/2025
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 07:43:00 : _____ जन्म समय _____ : 14:33:04 घंटे
 घटी 00:53:11 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 17:58:00 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Visavadar : _____ स्थान _____ : Visavadar
 उत्तर 21:22:00 : _____ अक्षांश _____ : 21:22:00 उत्तर
 पूर्व 70:52:00 : _____ रेखांश _____ : 70:52:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:46:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:46:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:21:43 : _____ सूर्योदय _____ : 07:21:51
 18:11:30 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:11:42
 23:36:03 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:17
 धनु : _____ लग्न _____ : मेष
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 वृश्चिक : _____ राशि _____ : कुम्भ
 मंगल : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 ज्येष्ठा : _____ नक्षत्र _____ : शतभिषा
 बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 3 : _____ चरण _____ : 2
 गण्ड : _____ योग _____ : वज्र
 शकुनि : _____ करण _____ : कौलव
 यी-यीशू : _____ जन्म नामाक्षर _____ : सा-सपना
 मकर : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मकर
 विप्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 कीटक : _____ वश्य _____ : मानव
 मृग : _____ योनि _____ : अश्व
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 आद्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मेष
 44 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 45

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पूर्वाषाढ़ा	1	13:42:18	धनु			लग्न			मेष	14:44:01	1	भरणी
मूल	3	09:35:57	धनु			सूर्य			धनु	09:35:57	3	मूल
ज्येष्ठा	3	25:08:19	वृश्चि			चंद्र			कुंभ	10:00:44	2	शतभिषा
हस्त	1	10:31:47	कन्या			मंगल			अ धनु	13:24:23	1	पूर्वाषाढ़ा
पूर्वाषाढ़ा	2	17:49:00	धनु	अ		बुध			वृश्चि	24:27:52	3	ज्येष्ठा
स्वाति	2	11:25:19	तुला			गुरु	व		मिथु	27:58:35	3	पुनर्वसु
श्रवण	2	14:24:37	मकर			शुक्र			अ धनु	06:39:01	2	मूल
चित्रा	2	27:27:00	कन्या			शनि			मीन	01:35:40	4	पूर्वाभाद्रपद
पुनर्वसु	3	28:51:59	मिथु	व		राहु	व		कुंभ	17:01:50	4	शतभिषा
उत्तराषाढ़ा	1	28:51:59	धनु	व		केतु	व		सिंह	17:01:50	2	पूर्वाफाल्गुनी
अनुराधा	2	08:43:03	वृश्चि			मु			सिंह	13:42:18	1	पूर्वाफाल्गुनी

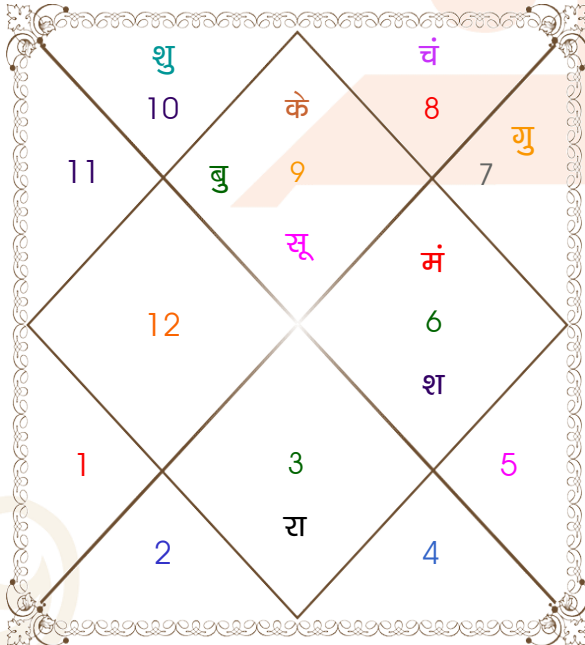
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

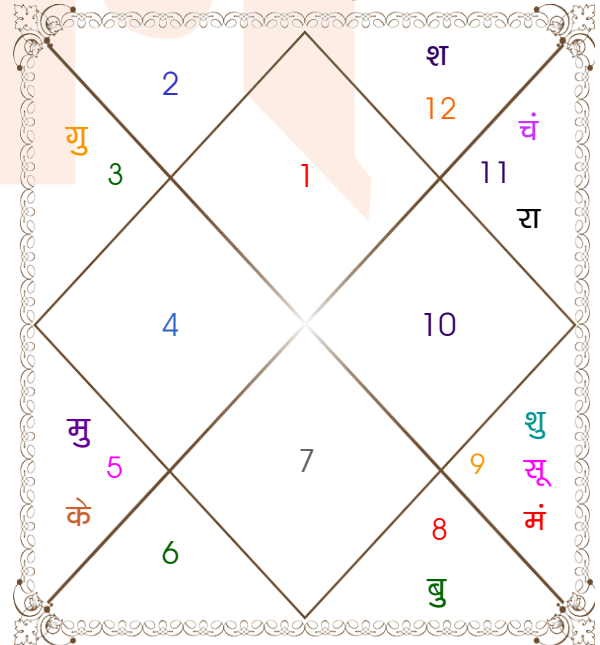
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:17

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शनि - बुध	चंद्र - शनि - केतु	चंद्र - शनि - शुक्र	चंद्र - शनि - सूर्य
06/09/2025 09:03 27/11/2025 07:19	27/11/2025 07:19 31/12/2025 00:57	31/12/2025 00:57 06/04/2026 10:12	06/04/2026 10:12 05/05/2026 08:10
बुध 17/09/2025 23:36 केतु 22/09/2025 18:18 शुक्र 06/10/2025 10:01 सूर्य 10/10/2025 12:19 चंद्र 17/10/2025 08:11 मंगल 22/10/2025 02:53 राहु 03/11/2025 09:49 गुरु 14/11/2025 07:59 शनि 27/11/2025 07:19	केतु 29/11/2025 06:32 शुक्र 04/12/2025 21:29 सूर्य 06/12/2025 13:58 चंद्र 09/12/2025 09:26 मंगल 11/12/2025 08:40 राहु 16/12/2025 10:06 गुरु 20/12/2025 22:03 शनि 26/12/2025 06:15 बुध 31/12/2025 00:57	शुक्र 16/01/2026 02:29 सूर्य 20/01/2026 22:09 चंद्र 28/01/2026 22:55 मंगल 03/02/2026 13:52 राहु 18/02/2026 00:51 गुरु 02/03/2026 21:17 शनि 18/03/2026 03:33 बुध 31/03/2026 19:15 केतु 06/04/2026 10:12	सूर्य 07/04/2026 20:54 चंद्र 10/04/2026 06:44 मंगल 11/04/2026 23:13 राहु 16/04/2026 07:18 गुरु 20/04/2026 03:50 शनि 24/04/2026 17:43 बुध 28/04/2026 20:02 केतु 30/04/2026 12:31 शुक्र 05/05/2026 08:10
चंद्र - शनि - चंद्र	चंद्र - शनि - मंगल	चंद्र - शनि - राहु	चंद्र - शनि - गुरु
05/05/2026 08:10 22/06/2026 12:48	22/06/2026 12:48 26/07/2026 06:26	26/07/2026 06:26 21/10/2026 00:22	21/10/2026 00:22 06/01/2027 02:58
चंद्र 09/05/2026 08:33 मंगल 12/05/2026 04:02 राहु 19/05/2026 09:31 गुरु 25/05/2026 19:44 शनि 02/06/2026 10:52 बुध 09/06/2026 06:44 केतु 12/06/2026 02:12 शुक्र 20/06/2026 02:58 सूर्य 22/06/2026 12:48	मंगल 24/06/2026 12:02 राहु 29/06/2026 13:28 गुरु 04/07/2026 01:25 शनि 09/07/2026 09:37 बुध 14/07/2026 04:19 केतु 16/07/2026 03:33 शुक्र 21/07/2026 18:29 सूर्य 23/07/2026 10:58 चंद्र 26/07/2026 06:26	राहु 08/08/2026 06:43 गुरु 19/08/2026 20:19 शनि 02/09/2026 13:57 बुध 14/09/2026 20:53 केतु 19/09/2026 22:20 शुक्र 04/10/2026 09:19 सूर्य 08/10/2026 17:25 चंद्र 15/10/2026 22:55 मंगल 21/10/2026 00:22	गुरु 31/10/2026 07:06 शनि 12/11/2026 12:07 बुध 23/11/2026 10:17 केतु 27/11/2026 22:14 शुक्र 10/12/2026 18:40 सूर्य 14/12/2026 15:12 चंद्र 21/12/2026 01:25 मंगल 25/12/2026 13:22 राहु 06/01/2027 02:58
चंद्र - बुध - बुध	चंद्र - बुध - केतु	चंद्र - बुध - शुक्र	चंद्र - बुध - सूर्य
06/01/2027 02:58 20/03/2027 10:15	20/03/2027 10:15 19/04/2027 14:40	19/04/2027 14:40 14/07/2027 20:25	14/07/2027 20:25 09/08/2027 17:20
बुध 16/01/2027 12:12 केतु 20/01/2027 18:49 शुक्र 02/02/2027 00:02 सूर्य 05/02/2027 16:00 चंद्र 11/02/2027 18:36 मंगल 16/02/2027 01:14 राहु 27/02/2027 01:07 गुरु 08/03/2027 19:42 शनि 20/03/2027 10:15	केतु 22/03/2027 04:30 शुक्र 27/03/2027 05:14 सूर्य 28/03/2027 17:28 चंद्र 31/03/2027 05:50 मंगल 02/04/2027 00:05 राहु 06/04/2027 12:45 गुरु 10/04/2027 13:20 शनि 15/04/2027 08:02 बुध 19/04/2027 14:40	शुक्र 03/05/2027 23:37 सूर्य 08/05/2027 07:06 चंद्र 15/05/2027 11:35 मंगल 20/05/2027 12:19 राहु 02/06/2027 10:47 गुरु 13/06/2027 22:45 शनि 27/06/2027 14:28 बुध 09/07/2027 19:40 केतु 14/07/2027 20:25	सूर्य 16/07/2027 03:27 चंद्र 18/07/2027 07:12 मंगल 19/07/2027 19:25 राहु 23/07/2027 16:34 गुरु 27/07/2027 03:21 शनि 31/07/2027 05:40 बुध 03/08/2027 21:38 केतु 05/08/2027 09:51 शुक्र 09/08/2027 17:20

Shree Laxmi Jyotish

Bhayandar East

9702640406

teraiya.dharmesh@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशिष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमत्ता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति पक्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृत्ति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबन्धी कार्यों को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबन्धी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।